LEXARA

Automated Podcast Transcription & Insights | 3D Visualization | Multi-Language Support

Transform your audio content with AI-powered transcription, context-aware topic titles, and interactive 3D visualization.

Upload Audio

Upload your podcast audio file (MP3 or WAV, max 100MB)

Drag and drop file here
Limit 4GB per file • MP3, WAV

d1b8d1f3b1ab-4e1f-b0-2-cd1d5ae5d82c.mp3 · 31.1MB

Browse Files

File Size
31.1 MB

File Loaded
d1b8d1f3b1ab-4e1f-b0-2-cd1d5ae5d82c.mp3

0:00 / 30:35

Voice Language (Select if auto detect fails)

Process Audio

Full Transcript

France invested a lot of early technologies in the world. But today if you look at the scenario, the largest technology companies in the world are either American or Chinese. Many of them are led by Indian origin CEOs. I think the missing point is that, when we talk about the future of technology, we talk about the future of the US and China. We don't talk about the future of India. The question is no longer whether India innovates. The question is when will Consumer India's digital economy become a trillion dollar economy? Today it is a hundred billion dollar economy. Tomorrow it will be a trillion dollar economy. The question is when will India

Technology Quantum [01:44 - 02:46]

France Want [02:37 - 03:41]

Leadership Private [03:30 - 04:18]

Trying India [04:10 - 05:14]

World What [05:06 - 05:58]

What Doing [05:58 - 06:52]

Protocol Little [06:52 - 08:04]

World Technology [08:04 - 09:27]

Still Entrepreneur [09:52 - 10:30]

Market Europe [10:19 - 11:54]

Billion Every [11:54 - 13:06]

France Want [12:52 - 13:53]

Data Solutions [13:53 - 14:48]

France Attacking [14:38 - 15:56]

Language Access [15:56 - 17:32]

Think France [17:32 - 19:05]

Technology Something [18:45 - 20:01]

People Mention [20:02 - 20:53]

Succeed Such [20:53 - 22:06]

Think Deliver [21:54 - 23:00]

Which People [23:00 - 24:02]

World Going [24:02 - 24:56]

Relation Differences [24:56 - 26:06]

Approach Reality [26:06 - 27:24]

Strategic Autonomy [27:10 - 28:34]

More Approach [28:26 - 29:41]

Decide Fellow [29:41 - 30:42]

Leadership World [30:42 - 31:53]

Believe Dollar [31:53 - 32:43]

More Sign [32:43 - 33:51]

What Able [33:51 - 34:25]

More What [34:24 - 36:11]

Think Order [35:45 - 37:39]

Thank Much [37:39 - 38:41]

Thank Much [38:41 - 39:52]

Give Forget [39:52 - 40:24]

Translation

Translation Feature: Select a target language and translate all topic transcripts.

Select Target Language

Translate All Topics

Localization (Romanization)

Localization Feature: Convert transliterations to romanized text for easier reading.

Romanize Transliterations

ஒன்று முக்கியம் என்ன அங்கு மக்கள் மட்டுமல்ல பொருளாதார ரீதியாகவும் மிகவும் முக்கியமானது. ஏனெனில்

1 ministry mrs. nirmala parmar mrs. vijayalaxmi kulkarni shri sitaramji shastri prasnikbhai. mrs. ami ekata prasanthapura. manju mrs. bhadaka. bhadaka. kanaram. mrs. bhuvaka. mrs. dhanbai. mrs. dhanbai. mrs. dhanbai

tankumaru manyu manyu panjaji ustaiku. kitma medlasu manyu prapanna nyamnaka ketl sankhkaanu nyamahnuchaan manu kalki nirapnchuamaku.

मैंने उस पर्वत पर पहुँचकर जो महान है, उसकी महिमा देखी, जो पिता से आदर और महिमा पाया और जब उसे इस प्रतापमय वाणी से यह पहुँचाया गया कि यह मेरा पुत्र है, जिस पर मैं प्रसन्न हूँ, तो हमने स्वयं उस आकाश से आती हुई यह वाणी सुनी, जब हम उसके साथ पवित्र पर्वत पर थे। इसलिए भविष्यवक्ता का वचन हमें और भी दृढ़ हो गया है, जिसे तुम अच्छा करते हो, यदि तुम उस दीपक की तरह उस पर ध्यान दो, जो अन्धकार में प्रकाश देता है, जब तक पौ न फटे और भोर का तारा तुम्हारे हृदयों में न चमके। पहले तो यह जान लो, कि पवित्र शास्त्र का कोई भविष्यवाक्य व्यक्तिगत व्याख्या के अधीन नहीं है। क्योंकि भविष्यवाणी कभी मनुष्य की इच्छा से उत्पन्न नहीं हुई, परन्तु मनुष्य पवित्र आत्मा से प्रेरित होकर परमेश्वर की ओर से बोलते थे। हे प्रियो, पहले यह जान लो, कि अन्त के दिनों में ठट्ठे करने वाले आएँगे, जो अपनी ही अभिलाषाओं के अनुसार चलेंगे और कहेंगे, प्रतिज्ञा करने वाला कहाँ है? क्योंकि जब से पितर सो गए हैं, तब से सब कुछ ज्यों का त्यों बना हुआ है। जानबूझकर तो वे यह भूल जाते हैं कि आकाश प्राचीन काल से विद्यमान है, और पृथ्वी जो पानी में से उत्पन्न हुई और पानी के द्वारा स्थिर की गई थी, परमेश्वर के वचन से, जिस के द्वारा उस समय का जगत पानी में डूबकर नष्ट हुआ। परन्तु वर्तमान आकाश और पृथ्वी उसी वचन के द्वारा भण्डारे में रखे गए हैं, और न्याय के दिन तक जो भक्तिहीन मनुष्यों के विनाश का समय है, आग में डाले जाने के लिए सुरक्षित हैं। परन्तु हे प्रियो, यह बात तुम्हें न भूले, कि प्रभु के लिए एक दिन हजार बराबर है और हजार वर्ष एक दिन के समान हैं। प्रभु अपनी प्रतिज्ञा के विषय में देर नहीं करता, जैसा कुछ लोग देर समझते हैं, परन्तु वह तुम्हारे प्रति धीरज धरता है, क्योंकि वह नहीं चाहता कि कोई नाश हो, परन्तु चाहता है कि सब को मन फिराव का अवसर मिले। परन्तु प्रभु का दिन चोर की नाईं आएगा, तब आकाश बड़े शब्द से जाते रहेंगे, तत्व बड़ी आँच से पिघलेंगे, और पृथ्वी और उस पर के काम जो हैं वे जलाए जाएँगे। सो जब ये सब वस्तुएँ इस प्रकार पिघलनी हैं, तो तुम को पवित्र चाल चलन और भक्ति में कैसे मनुष्य होना चाहिए, और उस के आने की बाट जोहते और यत्न करते रहो, कि वह शान्ति में पाया जाए, और निष्कलंक और निर्दोष हो। और हमारे प्रभु के धीरज धरने को उद्धार समझो, जैसा हमारे प्रिय भाई पौलुस ने भी तुम को उसी के दिए हुए ज्ञान के अनुसार लिखा है, जैसा वह अपनी सब पत्रियों में इन बातों के विषय में लिखता है, जिन में कुछ बातें समझनी कठिन हैं, जिन के अर्थ अज्ञानी और अस्थिर लोग अन्य पवित्र शास्त्रों की नाईं अपने ही नाश के लिए खींचते हैं। सो हे प्रियो, तुम यह बातें पहले से जानकर चौकस रहो, कि उन अधर्मियों के भ्रम में पड़कर तुम्हारा भी पतन न हो जाए, और अपने स्थिर रहने से गिर न जाओ। परन्तु हमारे प्रभु यीशु मसीह के अनुग्रह और ज्ञान में बढ़ते जाओ। उसी की महिमा अब और सदा के दिन बनी रहे। आमीन।